अपने कार्य तथा समय को इस्तेमाल करें ऐसे विद्यालय में जहाँ परमेश्वर की सेवकाई हो

अक्विला और प्रिस्किल्ला, और पौलुस प्रेरित, अपने हाथ से अपनी जीविका अर्जित करते थे काम करके

प्रार्थना: ''परमेश्वर कृपया इस अध्ययन को इस्तेमाल करे कि बच्चों की सहायता हो और वे सींख सके कि मसीही कार्यकताओं के पास दो प्रकार के कार्य होते हैं। उनमें से अधिकांश अपनी जीविका कमाने के लिये अपने हाथो को प्रयोग करते हैं, साथ ही साथ यीशु मसीह की सेवकाई भी चरवाहे की और सुसमाचार प्रचारक की तरह करते हैं।

इन बच्चों की सीखने वाली क्रियायों में से कोई भी चुन लें।

अब एक बड़ा बच्चा या शिक्षक तम्बू बनाने वालों की कहानी पढ़े **प्रेरितो के काम 18:1-11** में से यह कहानी बताती है कि परमेश्वर ने किस प्रकार अक्विला और प्रिस्किल्ला और पौलुस की योग्यता का उपयोग किया कि कुरन्थिस शहर में एक कलीसिया का आरम्भ किया जा सका। वे तम्बू बनाया करते थे कि जीविकों पार्जन हो सके।

अगर कठिन नहीं, तो बच्चें इसकी नकल करें या इस **चित्र** में रंग भरें।

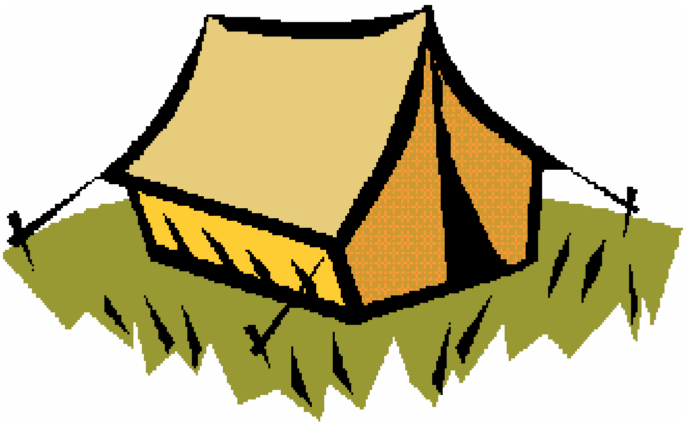

कहानी से सम्बन्ध स्थापित करने के बाद, **यह प्रश्न पूछें।**

- कुरन्थिस शहर में रहने के लिये पौलुस को कहाँ स्थान मिला? (उत्तर आयत 3 देखें)
- कुरन्थिस शहर में पौलुस अपना पालन-पोषण किस प्रकार करता था? (3)
- यहूदियों ने जब पौलुस की बात सुनने से मना कर दिया तब पौलुस ने क्या किया? (6)
- कुरन्थिस शहर में पौलुस की शिक्षा से क्या नतीजा निकला? (8)
- पौलुस को किस प्रकार पता चला कि परमेश्वर उसकी सेवकाई को आशिषित कर रहे हैं? (9-10)

कहानी का वह भाग जिसपर नाटक आधारित है।

अपना समय बच्चों के नाटक बनाने में इस्तेमाल करें आप इसे छोटा भी कर सकते हैं।

बड़े बच्चे या वयस्क या पात्र बन सकते हैं।

वाचक: इस कहानी को छोटा करने और बच्चों को याद करने में सहायता करें।

प्रिस्किल्ला और अक्विला। अपने हाथों में कपड़ा और धागा रखें (या केवल साधारण रूप से सीते हुये दिखायें)

पौलुस

जवान बच्चें यह पात्र बन सकते हैं:

यहूदी

क्रिसपुस

अन्य जाति

नाटक, भाग 1, प्रेरितो के काम 18:1-4

वाचक: (आयत 1-4) पढ़कर कहानी का प्रथम भाग सुनायें। ''कहें सुनिये, अक्विला और प्रिस्किल्ला क्या कहते हैं।''

अक्विला: पौलुस को कोई कपड़ा देते हुये कहता है, ''पौलुस कृपया आईये, हमारे साथ रहिये और हमारे साथ कार्य कीजिये। आप भी तम्बू बना सकते हैं, जैसे हम बनाते हैं।''

प्रिस्किल्ला: ''हाँ, हम आपकी मदद करेंगें जिससे आप काफी धन कमा कर कुरन्थिस शहर में रहकर परमेश्वर का वचन सिखा सकें।

पौलुस: ''धन्यवाद, आप लोगों का कि आपने मेरी सहायता की। मुझे स्वतन्त्रता है कि इसको करते हुये भी मैं जहाँ परमेश्वर चाहता है मैं जाता हूँ। मैं प्रत्येक शनिवार को आराधनालय में जाकर सिखाऊँ।

नाटक, भाग 2, प्रेरितो के काम 18:5-11

वाचक: कहानी का दूसरा भाग बतायें (आयत 5-11) को पढ़कर। कहे, ''सुनो यहूदी क्या कहते हैं।''

यहूदी: चिल्लाते हुये ''पौलुस, हम लोग तुम्हें नहीं सुनेगे, चले जाओ।''

पौलुस: अपने कपड़ो से धूल को झाड़ते हुये। कहते हैं, ''मैं तुम लोगों कि जिम्मेवारी और देर तक नहीं लूगाँ। मैं अन्य जातियों में जाऊँगा। वे प्रभु यीशु के बारे में सुनना चाहते हैं।

क्रिसपुस: ''पौलुस आप आराधनालय में और समय तक शिक्षा नहीं पायेंगे। इसलिये, कृपया करके, मेरे घर आकर शिक्षा दें, जो पास में ही है।''

अन्य जातियाँ: ''हम अन्यजातियों वाले क्रिसपुस के घर पर पौलुस को सुनेंगे।''

क्रिसपुस: पौलुस, मैंने उन सभी सुसमाचार की शिक्षाओं को जिनको तुम देते हो सुनी है मैं यहूदियों के आराध नालय का शासक हूँ, लेकिन अब मैं प्रभु यीशु के पीछे चलना चाहता हूँ। कृपया मुझे और मेरे परिवार को बपतिस्मा दीजियें''

पौलुस: ''मैं आप सबको बहुत धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने कुरन्थिस शहर में रहने में मेरी सहायता की। परमेश्वर ने मुझे बताया था कि मैं घबराऊॅ नहीं क्योंकि परमेश्वर ने कहा था कि यहाँ बहुत से लोग प्रभु यीशु के नाम से उद्धार पायेंगे

अन्यजातियॉ: ''पौलुस हम भी बहुत प्रसन्न है कि आपने कुरन्थियुस शहर में रहकर हमें शिक्षायें दी। ''अब हम सब प्रभु यीशु के पीछे चलेंगे क्योंकि आपके पूरे दल ने बहुत अच्छा कार्य किया है।

वाचक: जब नाटक समाप्त हो जाये तो बच्चो का धन्यवाद करें।

अगर बच्चे वयस्कों के लिए नाटक करते हैं तो भाग 1 में दिये गये प्रश्नों को वयस्कों से पूछें। वे वयस्कों को अपने बनाये हुये चित्रो को दिखायें और याद किये हुये कार्य का वर्णन करें।

कलीसिया के अगुवों के साथ मिलकर बच्चों के लिये तैयारी करें:

- कि वे नाटक को आराधना के समय वयस्कों के लिये प्रस्तुत करें।
- अध्ययन के प्रारम्भ में दिये गये प्रश्नों को वयस्कों से पूछें।
- कविता या जो कुछ भी उन्होंने तैयार किया है प्रस्तुत करें।

बच्चों से कहें: ''और दूसरे कौन से उदाहरण हैं जो तम्बू बनाने के अलावा जो वे लोग अपने जीवन यापन के लिये करते थे परमेश्वर के वचन को सुनाने के साथ साथ? (बच्चे उदाहरण दें)

एक तम्बू का चित्र बनायें।

- बच्चे इसकी नकल करें।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की सहायता करें।
- आने वाली आराधना के समय बच्चे अपने बनाये हुये चित्र वयस्कों को दिखायें।
- इनके द्वारा व वयस्को को समझा सकते हैं कि हम भी परमेश्वर के वचन को सुनाने के साथ साथ कुछ दूसरा काम अपने जीवन यापन के लिये कर सकते हैं जिस प्रकार अक्विला, प्रिस्किल्ला और पौलुस ने किया था।

बच्चों को समझायें कि मसीही कार्यकर्ता अपने जीवन यापन के लिये कार्य करते हुये यीशु मसीह की शिक्षाओं को दूसरो की सेवा करते हुये भी दे सकते हैं। वे उन लोगों की भी सहायता कर सकते हैं। जो दूसरे स्थानों पर सुसमाचार फैलाते हैं।

याद करें: कुरन्थियों 10:31

वर्णन करे: चार बच्चे एक आयत 2 थिस्सलुनीकियों 3:7, 8, 9 और 10 किसी एक का वर्णन करें।

और दूसरे बड़े बच्चे एक कविता लिखें, गीत या लघु कहानी, या गवाही दे उदाहरण के तौर पर कि उन्होंने मसीही लोगों को परमेश्वर की सेवकाई के साथ साथ कार्य करते हुये और स्वयं के जीवन-यापन के लिये कौन से कार्य करते हुये देखा है।

प्रार्थना: ''प्यारे परमेश्वर, हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आपने हमें और बहुत से गुण दिये हैं। हमारी सहायता कीजिये कि हम अपने इन गुणों और कौशल का प्रयोग कर सकें। हमें सिखा कि हम आनन्दपूर्वक और दूसरों की सहायता करते हुये यह कार्य कर सकें, जिस प्रकार प्रिस्किल्ला और अक्विला ने पौलुस की सहायता की थी।''